NBT
नवभारत टाइम्स

20 क्विंटल नकली मावा किया नष्ट

एनबीटी न्यूज, गाजियाबाद/मोदीनगरत्योहारों के दौरान नकली खोये की सप्लाई जमकर होती है, जिससे लोग बीमार भी पड़ते हैं। इस मिलावटखोरी को रोकने के लिए ...

Navbharat Times | Updated: 01 Oct 2019, 08:00:00 AM IST

एनबीटी न्यूज, गाजियाबाद/मोदीनगर
त्योहारों के दौरान नकली खोये की सप्लाई जमकर होती है, जिससे लोग बीमार भी पड़ते हैं। इस मिलावटखोरी को रोकने के लिए पुलिस और फूड सेफ्टी विभाग ने रविवार की रात भर भोजपुर के कल्छीना गांव में संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान 20 क्विंटल नकली मावा बरामद कर नष्ट किया है। मौके पर 40 से 50 भट्ठियां लगी हुई थीं। इन भट्ठियों को भी तोड़फोड़ दिया गया। मौके से नकली खोया बनाने में प्रयोग होने वाला वनस्पति घी, सेलखड़ी (चौक) के अलावा उपकरण बरामद किए गए। संयुक्त टीम ने मौके से 8 लोगों को गिरफ्तार किया। यहां बनने वाले नकली खोये की सप्लाई पूरे यूपी और दिल्ली-एनसीआर में होती थी।
चीफ फूड सेफ्टी ऑफिसर एन.एन. झा ने बताया कि कल्छीना गांव नकली खोये के लिए पूरे प्रदेश में बदनाम है। होली पर विभाग ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के चलते टीमों को लौटना पड़ा था। इस बार पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की योजना बनाई गई। इस संयुक्त अभियान में एसपी देहात नीरज कुमार जादौन अपनी पूरी टीम के साथ थे। गांव में 6 स्थानों पर रात भर छापेमारी की गई। मौके से 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया, कई लोग भाग निकले। गिरफ्तार लोगों में नईम, सरवर, मोहसीन, यामीन, फारुख, जुनैद, कामिल व फुरकान शामिल हैं।
गांव में 6 स्थानों पर 40 से 50 भट्ठियां चल रही थीं, जहां नकली खोया बन रहा था। मौके से 2 हजार किलो नकली खोया बरामद हुआ, जिसे गड्ढे में दबा दिया गया। यह खोया वनस्पति और सेलखड़ी को मिल्क पाउडर में मिलाकर बनाया जा रहा था, जो सेहत के लिए हानिकारक होता है।
\Bलैब भेजे गए सैंपल : \Bसीएफओ ने बताया कि 20 टिन वनस्पति घी और 14-15 किलो सेलखड़ी सील किया गया। इनके नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद इनके संबंध में जरूरी कार्रवाई की जाएगी।
\Bबड़े पैमाने पर बनता है नकली खोया : \Bसीएफओ ने बताया कि कलछीना गांव में बड़े पैमाने पर नकली खोया बनाया जाता है। पहले नकली खोये में दूध के साथ वनस्पति मिलाया जाता था। अब दूध की जगह मिल्क पाउडर और सेलखड़ी का प्रयोग किया जा रहा है।
\Bयह होता है नुकसान : \Bजिला एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशन डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि घटिया क्वॉलिटी का मिल्क पाउडर, वनस्पति और सेलखड़ी लिवर और किडनी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पेट संबंधित गंभीर रोग होते हैं। किडनी स्टोन और दिल की बीमारियां भी हो सकती हैं।

Source: https://navbharattimes.indiatimes.com/state/uttar-pradesh/ghaziabad/20-quintals-of-fake-mawa-destroyed/articleshow/71383121.cms